# Gujarat Board Textbook Solutions Class 8 Hindi Chapter 7 हार की जीत

## अभ्यास

### 1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

**प्रश्न 1. खड़गसिंह का हृदय परिवर्तन क्यों हुआ?**

उत्तर :

बाबा भारती ने खड्गसिंह से प्रार्थना की थी कि वह घोड़ा भले ही ले जाए, पर घोड़ा हथियाने की यह घटना किसीके सामने प्रकट न करे। जिस तरह छल-कपट करके उसने घोड़ा बाबा से छीना, उसे सुनकर लोग किसी गरीब पर विश्वास नहीं करेंगे।

बाबा भारती के ये शब्द डाकू खड्गसिंह के कानों में गूंजते रहे। उसे लगा कि बाबा आदमी नहीं, देवता हैं। उन्हें अपनी हानि की नहीं, गरीबों के नुकसान की चिंता है। ऐसे ऊँचे विचारोंवाले पुरुष को धोखा देकर उसने अच्छा नहीं किया। उसे उनका घोड़ा लौटा देना चाहिए। इस प्रकार खड्गसिंह का हृदय-परिवर्तन हुआ।

**प्रश्न 2. "अब कोई गरीबों की सहायता से मुँह नहीं मोड़ेगा।" बाबा भारती ने ऐसा क्यों कहा?**

उत्तर :

खड्गसिंह ने गरीब और अपाहिज बनकर बाबा भारती को धोखा दिया था। उन्हें डर था कि इस घटना का पता चलने पर लोग गरीबों, दीन-द:खियों और अपाहिजों पर विश्वास नहीं करेंगे।

लेकिन खड्गसिंह जिस शाम को बाबा भारती का घोड़ा ले गया, उसी रात को वह उसे बाबा के अस्तबल में बाँध गया था। अब खड्गसिंह की धोखेबाजी की बात फैलने का डर नहीं था। इसलिए बाबा भारती ने कहा कि अब गरीबों की सहायता से कोई मुँह नहीं मोड़ेगा।

**प्रश्न 3. यदि बाबा भारती की जगह आप होते तो क्या करते?**

उत्तर :

यदि बाबा भारती की जगह मैं होता तो थाने में जाकर यह शिकायत दर्ज कराता की डाकू खड्गसिंह से मुझे खतरा है। वह मुझे, धमकी दे गया है कि वह मेरा घोड़ा मुझसे छीन ले जाएगा। उसकी धमकी के कारण में चौबीसों घंटे भयभीत रहता हूँ। पूरी रात घोड़े की रखवाली में बीत जाती है।

अपने बचाव का मेरे पास कोई उपाय नहीं है। वह किसी भी समय मेरे घोड़ा उठा ले सकता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मैं थानेदार साहब से प्रार्थना करता कि वह इस संबंध में ठोस कारवाई कर मुझे उस खतरनाक डाकू के भय से मुक्त करें।

**प्रश्न 4. "इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना।" ऐसा बाबा भारती ने क्यों कहा?**

उत्तर :

बाबा भारती संत पुरुष थे। दीन-दुखियों के प्रति उनके हृदय में अपार करुणा थी। किसी अपाहिज की करुण पुकार सुनकर उनका हृदय पिघल जाता था। उनकी इसी दयालुता का लाभ उठाकर खड़गसिंह ने उन्हें धोखा दिया था।

बाबा भारती को लगा कि अगर खड्गसिंह की इस धोखेबाजी का पता लोगों को लग जाएगा, तो वे किसी गरीब या दीन-दुःखी पर विश्वास नहीं करेंगे। फिर कोई किसी अपाहिज की मदद नहीं करेगा। यही सोचकर उन्होंने खड्गसिंह से उसकी धोखेबाजी से घोड़ा लेने की बात किसीके सामने प्रकट न करने के लिए कहा।

**2. मान लो आपके गाँव की बैंक में लूट हुई। लूट किस गलती के कारण हुई होगी? लुटेरे कौन हो सकते हैं? इस घटना का अनुमान लगाइए और लूट या चोरी से बचने के लिए क्या-क्या सावधानी रखनी चाहिए? अपने दोस्तों के साथ चर्चा कीजिए।**

उत्तर:

रोहित – अरे मयंक, कल रात अपने गाँव की अभ्युदय बैंक में लूट की खबर तूने सुनी?

मयंक – हाँ सुनी।

दमन – बैंक में दो चौकीदार हैं, पर अक्सर इधर-उधर घूमते रहते हैं या अन्य काम करते रहते हैं! फिर लूट होना स्वाभाविक है।

रोहित – तुमने बिलकुल सच कहा।

मयंक – पर ये लुटेरे कौन हो सकते हैं?

दमन – वे ही होंगे जिन्होंने नगर के मंदिर से मूर्तियाँ चुराई थीं।

रोहित – सेठ करोड़ीमल के घर में डाका डालनेवाले लोग भी हो सकते हैं।

मयंक – कोई भी हो, है बड़े शातिर और हिम्मतवाले।

दमन – चोर, डाकू, लुटेरे हिम्मतवाले तो होते ही हैं।

रोहित – पुलिस पिछले महीनों में हुई एक भी चोरी का पता नहीं लगा सकी।

मयंक – ऐसी घटनाओं से बचाव कैसे हो?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

दमन – तीन तरीके हैं। बैंक अपने यहाँ सशस्त्र चौकीदार रखे। बैंक में एक-दो जासूस मौजूद रहें। बैंक में सी.सी.टीवी कैमरे लगाए जाएँ।

रोहित – हाँ, अब ऐसे उपाय किए बिना काम न चलेगा।

**3. परिच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

सोना अचानक आई थी, परंतु वह अब तक अपनी शैशवावस्था भी पार नहीं कर सकी थी। सुनहरे रंग का, रेशमी लच्छों की गाँठ के समान उसका कोमल लघु शरीर था, छोटा-सा मुँह और बड़ी-बड़ी पानीदार आँखें। देखती तो लगता था कि अभी छलक पडेंगी। लंबे कान, पतली सुडौल टाँगें, जिन्हें देखते ही प्रसुप्त गति की बिजली की लहर देखनेवालों की आँखों में कौंध जाती थी। सब उसके सरल, शिशु रूप से इतने प्रभावित हुए कि किसी चंपकवर्णा रूपसी के लिए उपयुक्त सोना, सुवर्णा आदि नाम उसका परिचय बन गए।
परंतु उस बेचारे हरिण-शावक की कथा तो मिट्टी की ऐसी व्यथा-कथा है, जिससे मनुष्य निष्ठुरता गढ़ती है। बेचारी सोना भी मनुष्य की इसी निष्ठुर मनोरंजनप्रियता के कारण अपने अरण्य परिवेश और स्वजाति से दूर मानव-समाज में आ पड़ी थी। प्रशांत वनस्थली में जब अलस भाव से मंथन करता हुआ मृग-समूह शिकारियों की आहट से चौंककर भागा, तब सोना की माँ सद्यः प्रसूता होने के कारण भागने में असमर्थ रही। सदयः जात मग शिश तो भाग नहीं सकता था। अतः मुगी माँ ने अपनी संतान को अपने शरीर की ओट में सुरक्षित रखने के प्रयास में अपने प्राण दिए।

**प्रश्न 1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए :**

**(क) सोनाहिरन का रंग कैसा था?**
लाल [ ]
पीला [ ]
सुनहरा [ ✓ ]

**(ख) मृग-समूह किसकी आहट से चौंक कर भागा?**
पटाखे की [ ]
शिकारियों की [ ✓ ]
बादल की [ ]

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**प्रश्न 2. रिक्त स्थान भरिए :**

(क) सोना अब तक अपनी .................................... भी पार नहीं कर सकी थी।

(ख) हरिण-शावक की कथा तो मिट्‌टी की ऐसी .................................... है, जिसे मनुष्य की निष्ठुरता गढ़ती है।

उत्तर:

(क) सोना अब तक अपनी शैशवावस्था भी पार नहीं कर सकी थी।

(ख) हरिण-शावक की कथा तो मिट्‌टी की ऐसी व्यथा-कथा है, जिसे मनुष्य की निष्ठुरता गढ़ती है।

**प्रश्न 3. इन शब्दों के अर्थ लिखिए :**

आहट ....................................

शैशवावस्था ....................................

उत्तर:

चाप

शिशु की अवस्था, बचपन

**प्रश्न 4. इन शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :**

लघु ....................................

मानव ....................................

उत्तर:

विशाल, विराट

हैवान

**प्रश्न 5. हरिण-शावक सोना की शारीरिक बनावट कैसी थी?**

उत्तर:

हरिण-शावक सोना की शारीरिक बनावट रेशमी लच्छों की गाँठ के समान थी। उसका कोमल शरीर लघु था, मुँह छोटा-सा था और बड़ी-बड़ी आँखें पानीदार थीं।

**4. एक दिन बादशाह अकबर ने अपने दरबारियों से पूछा, "बताओ दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?" दरबारियों का जवाब क्या होगा और बीरबल ने क्या कहा होगा? कहानी आगे बढ़ाइए।**

उत्तर :

दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है? – अकबर के इस प्रश्न के उत्तर में किसी दरबारी ने हाथी को सबसे अधिक शक्तिशाली बताया तो किसीने सिंह को। इस तरह दरबारियों ने अपने-अपने ढंग से जवाब दिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जब इसका उत्तर देने के लिए बीरबल से कहा गया, तब उन्होंने सूरज को सबसे अधिक शक्तिशाली बताया। अकबर ने पूछा, "कैसे?" तब बीरबल ने यह कहानी सुनाई –

एक बार हवा, पानी और सूरज में बहस छिड़ी। तीनों स्वयं को सबसे अधिक शक्तिशाली बता रहे थे। एक देवदूत ने उन तीनों की बातें सुनीं। उसने कहा, "देखो, वह यात्री कोट पहने जा रहा है। जो उसका कोट उतरवा दे, वही सबसे अधिक शक्तिशाली है।"

सबसे पहले हवा आगे बढ़ी और तेज चलने लगी। उसने तूफानी रूप ले लिया। यात्री का कोट फड़फड़ाने लगा। उसने हाथ से कसकर कोट को पकड़ रखा। आखिर हवा ने हार मान ली। अब पानी ने अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी। जोर की बारिश होने लगी।

यात्री पूरी तरह भीग गया, पर उसने कोट न निकाला। अंत में सूरज की बारी आई। इतनी तेज धूप निकली कि यात्री गर्मी सहन न कर सका। वह पसीना-पसीना हो गया। परेशान होकर उसने कोट उतार दिया। सबने सूरज की शक्ति का लोहा मान लिया।

बादशाह ने भी बीरबल की बात का समर्थन किया।

## हार की जीत स्वाध्याय

### 1. दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए :

(1) खड़गसिह उस इलाके का .................................... डाकू था। (प्रसिद्ध, कुख्यात)
(2) अपनी वस्तु की प्रशंसा दूसरों के मुख से सुनने के लिए उनका हृदय का हृदय .................................... हो गया था। (धीर, अधीर)
(3) "बाबा जी, आज्ञा कीजिए। मैं आपका .................................... हूँ, केवल यह घोड़ा न दूंगा।" (दास, स्वामी)

उत्तर :
(1) खड्गसिंह उस इलाके का कुख्यात डाकू था।
(2) अपनी वस्तु की प्रशंसा दूसरों के मुख से सुनने के लिए उनका – हृदय अधीर हो गया था।
(3) "बाबाजी, आज्ञा कीजिए। मैं आपका दास हूँ, केवल यह घोड़ा न दूंगा।"

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

## 2. किसने, किससे कहा ?

**प्रश्न 1. "दुर्गादत्त वैद्य का नाम सुना होगा। उनका सौतेला भाई हूँ।"**

अपाहिज ने बाबा भारती से

बाबा भारती ने अपाहिज से

उत्तर :

अपाहिज ने बाबा भारती से [ ✓ ]

बाबा भारती ने अपाहिज से [ ]

**प्रश्न 2. "लोगों को अगर इस घटना का पता लग गया, तो वे किसी गरीब का विश्वास न करेंगे।"**

बाबा भारती ने खड़गसिंह से

खडगसिंह ने बाबा भारती से

उत्तर :

बाबा भारती ने खड़गसिंह से [ ✓ ]

खडगसिंह ने बाबा भारती से [ ]

## 3. प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्य में लिखिए :

**प्रश्न 1. खड़गसिंह बाबा भारती के पास क्यों आया?**

उत्तर :

खड्गसिंह बाबा भारती के घोड़े को देखने की इच्छा से उनके पास आया।

**प्रश्न 2. बाबा भारती किस बात से डर गए थे?**

उत्तर :

खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा था कि वह सुलतान को उनके पास नहीं रहने देगा। खड्गसिंह की इसी धमकी से बाबा भारती डर गए थे।

**प्रश्न 3. सुलतान पर सवार खड़गसिंह ने बाबा भारती से क्या कहा?**

उत्तर :

सुलतान पर सवार खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा कि अब यह घोड़ा मैं आपको न दूंगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**4. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

**प्रश्न 1. बाबा भारती अपना समय कैसे बिताते थे?**

उत्तर :

बाबा भारती गाँव के बाहर एक छोटे-से मंदिर में रहते थे और भगवान का भजन करते थे। उन्होंने एक घोड़ा पाल रखा था जिसे वे 'सुलतान' कहकर पुकारते थे। भगवान के भजन से जो समय बचता, उसे वे घोड़े की सेवा में लगाते थे।

वे अपने हाथ से उसका खरहरा करते और उसे दाना खिलाते थे। संध्या समय वे सुलतान पर सवार होकर आठ-दस मील का चक्कर काटते थे। इस प्रकार बाबा भारती अपना समय बिताते थे।

**प्रश्न 2. बाबा भारती को किसका डर लगने लगा? क्यों?**

उत्तर :

खड्गसिंह बाबा भारती के पास आकर उनके घोड़े सुलतान को देख गया था। ऐसा बाँका घोड़ा उसने आज तक नहीं देखा था। वह उसकी चाल पर मुग्ध हो गया था। जाते-जाते वह बाबा भारती से कह गया था कि वह सुलतान को उनके पास न रहने देगा।

वह डाकू था और जो वस्तु उसे पसंद आ जाए, उस पर अपना अधिकार समझता था। उसके पास बाहुबल था। इसलिए बाबा भारती को खड्गसिंह का डर लगने लगा।

**प्रश्न 3. खड़गसिंह ने सुलतान को कैसे प्राप्त किया?**

उत्तर :

एक दिन संध्या समय बाबा भारती सुलतान पर सवार होकर घूमने निकले। रास्ते में उन्होंने एक अपाहिज की करुणाभरी आवाज सुनी। उसने बाबा से घोड़े पर रामावाला गाँव पहुँचाने की प्रार्थना की। बाबा ने तरस खाकर उस अपाहिज को घोड़े पर बिठा लिया और स्वयं लगाम पकड़कर चलने लगे।

सहसा उस अपाहिज ने झटका देकर बाबा भारती के हाथ से लगाम छीन ली और वह घोड़े को ले भागा। वह अपाहिज और कोई नहीं, डाकू खड्गसिंह ही था। इस प्रकार खड्गसिंह ने सुलतान को प्राप्त किया।

**प्रश्न 4. घोड़े को वापस आया देखकर बाबा भारती ने घोड़े से कैसा वर्ताव किया?**

उत्तर :

घोड़े को वापस आया देखकर बाबा भारती के खुशी का ठिकाना न रहा। वे उसके गले से लिपटकर रोने लगे। वे बार-बार उसकी पीठ पर हाथ फेरने लगें और उसके मुँह पर थपकियाँ देने लगे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

घोड़े की वापसी पर संतोष प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि अब कोई गरीबों की सहायता से मुंह नहीं मोड़ेगा। इस प्रकार घोड़े को वापस आया देखकर बाबा भारती ने उससे वही बर्ताव किया जो एक पिता बहुत दिन से बिछुड़े हुए पुत्र के मिलने पर करता है।

**5. टिप्पणी लिखिए :**

**बाबा भारती की महानता**

उत्तर :

बाबा भारती एक सदाचारी संत थे। उनका हृदय विशाल था और उनके विचार ऊँचे थे। उनके हृदय में दीन-दु:खियों के प्रति अपार करुणा थी। दीनदुखियों की सेवा करना वे अपना कर्तव्य समझते थे। उन्हें अपनी हानि की अपेक्षा गरीबों और दीन-दुखियों की हानि की अधिक चिंता थी।

इसीलिए उन्होंने खड्गसिंह से घोड़े को छलपूर्वक लेने की बात किसीके सामने प्रकट न करने की प्रार्थना की। बाबा भारती के ऊँचे विचारों ने खड्गसिंह जैसे कुख्यात डाकू का हृदय-परिवर्तन कर दिया। अपनी हार को भी जीत में बदल लेनेवाले बाबा भारती सचमुच एक ऊँचे दर्जे के इंसान थे।

**7. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए :**

1. **सुंदर,**
2. **जमीन,**
3. **संध्या,**
4. **गरीब,**
5. **विश्वास**

उत्तर :

1. **सुंदर** – असुंदर, कुरूप
   **वाक्य** : उनके नौकर का चेहरा असुंदर (कुरूप) था।
2. **जमीन** – आसमान
   **वाक्य** : नीला आसमान देखकर यात्री खुश हो गए।
3. **संध्या** – उषा
   **वाक्य** : उषा की लालिमा दर्शनीय थी।
4. **गरीब** – अमीर
   **वाक्य** : वह जमींदार बहुत अमीर था।
5. **विश्वास** – अविश्वास
   **वाक्य** : सेठानी को नौकर पर अविश्वास था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**8. दिए गए शब्दों में उचित उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए :**

**(प्रति, निर्)**

(1) ................................ + दिन = ................................

(2) ................................ + आधार = ................................

(3) ................................ + मूल = ................................

(4) ................................ + कूल = ................................

(5) ................................ + जल = ................................

(6) ................................ + दोष = ................................

उत्तर :

(1) प्रति + दिन = प्रतिदिन

(2) निर् + आधार = निराधार

(3) निर् + मूल = निर्मूल

(4) प्रति + कूल = प्रतिकूल

(5) निर् + जल = निर्जल

(6) निर् + दोष = निर्दोष

**9. दिए गए शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए : (इक, त्व)**

(1) मुख + ................................ = ................................

(2) मनुष्य + ................................ = ................................

(3) भूत + ................................ = ................................

(4) मम + ................................ = ................................

(5) समाज + ................................ = ................................

(6) सम + ................................ = ................................

उत्तर :

(1) मुख + इक = मौखिक

(2) मनुष्य + त्व = मनुष्यत्व

(3) भूत + इक = भौतिक

(4) मम + त्व = ममत्व

(5) समाज + इक = सामाजिक

(6) सम + त्व = समत्व

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**10. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण पहचानकर उनका अन्य वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**

जैसे- खड़गसिंह इस इलाके का कुख्यात डाकू था।
विशेषण : कुख्यात
वाक्य : कुख्यात आदमी से लोग डरते हैं।
(1) कहते हैं, देखने में भी बड़ा सुंदर है।
(2) परंतु ऐसा बाँका घोड़ा उसकी आँखों से कभी न गुज़रा था।
(3) बाबा भारती ने ठंड़े जल से स्नान किया।
(4) अपने प्यारे घोड़े से लिपटकर रोने लगे।
(5) बाबा भारती प्रसिद्ध साधु थे।
उत्तर :
विशेषण – वाक्य
सुंदर – मुंबई सुंदर शहर है।
बाँका – ऐसा बाँका जवान मैंने कभी नहीं देखा।
ठंड़े – हमने गंगा नदी के ठंड़े जल में स्नान किया।
प्यारे – पिताजी अपने प्यारे बेटे से लिपटकर रोने लगे।
प्रसिद्ध – सचिन तेंदुलकर प्रसिद्ध खिलाड़ी है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in